॥ श्री गुरु चरण कमलेभ्यो नमः ॥

समय रत्नाकर के गर्भ गहरों से प्राप्त दिव्य तिथि मणियों व दुर्लभ क्षण रत्नों का अनमोल कोष

सिद्धाश्रम पंचांग

यूं तो साधना कभी भी की जाये, साधक को सफलता की ओर न्यूनाधिक बढ़ाती ही है, परन्तु वर्ष में कुछ सिद्ध तिथियां, कुछ अनमोल क्षण ऐसे भी आते हैं, जिनमें विशिष्ट दिव्य शक्तियों का पराभौतिक स्पन्दन संपूर्ण वातावरण में उस समय विशेष के लिये व्याप्त हो जाता है, ऐसे महत्वपूर्ण और दुलर्भ समय में अगर उन शक्तियों से संबंधित साधना की जाये, तो सफलता प्राप्ति की सम्भावना आश्चर्यजनक रूप से बहुत अधिक बढ़ जाती है और तुरन्त परिणाम प्राप्त होता है।

युगसृष्टा सद्गुरुदेव डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली जी (परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानन्द जी) ने सिद्धाश्रम की वाणी 'निखिल मंत्र विज्ञान' पत्रिका अन्य माध्यमों से ऐसी सिद्ध तिथियों, पर्वों, रात्रियों और समय का जो ज्ञान प्रदान किया है, वह वास्तव में ही प्रत्येक शिष्य और साधक के लिये नायाब तोहफा है, बेशकीमती उपहार है। उनके स्वयं के शब्दों में "यदि आप चाहते हैं, कि जीवन में उन्नति कर सकें, जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें, सौभाग्य प्राप्त कर सकें, द्रव्य प्राप्त कर सकें,तो इसके लिये पूरे वर्ष पर्यन्त मंत्र जप करने की अपेक्षा उस विशिष्ट समय को पकड़े, क्योंकि वह विशिष्ट समय, विशिष्ट क्षण, विशिष्ट दिवसों और विशिष्ट रात्रियों को ही आते हैं, जिन क्षणों को पकड़ने से जीवन में सफलता मिल जाती है। पूरे चौबीस घण्टे या बारह महीने मंत्र जप करने से कुछ नहीं होगा, केवल उस विशेष क्षण को पकड़ लें।

अन्यत्र उन्हीं के श्रीमुख से समय की महत्ता का वर्णन इस प्रकार हुआ है कि - "जो काल को पहचान लेता है, जो समय को पहचान लेता है और समय के अनुसार अपने आपको उपयोग कर लेता है, वह अपने आप में जीवन्त, जाग्रत, चैतन्य हो जाता है, शिवमय हो जाता है, कल्याणमय हो जाता है, स्वयं अपने आप में विश्वनाथ स्वरूप हो जाता है।"

सिद्धिप्रद दिव्य क्षणों का महत्व बताने वाला एक और महान प्रेरणाप्रद प्रवचनांश उनकी ब्रह्मवाणी से इस प्रकार निःसृत हुआ कि - "केवल एक विशिष्ट दिन या एक विशिष्ट रात्रि ही अपने में पर्याप्त है, उस मंत्र या जाप को करने में लिए, ऐसा मंत्र, जो अपने आप में तीक्ष्ण प्रभावयुक्त हो, और उसको उस मुहूर्त में सिद्ध किया जाय, तो मुहूर्त उस विशिष्ट दिवस को दिन में या रात्रि में ही उपलब्ध होता है, उसी पर्व में उस मंत्र का जप करें- पूर्ण श्रद्धा के साथ, जो तब भी उतना ही फल उसको मिलता है, जितना पूरे वर्ष या पूरे जीवन भर मंत्र जप से मिलता है।"

निश्चय ही यह 'सिद्धाश्रम पंचांग' सद्गुरुदेव जी की एक महान अनुकम्पा है, जीवन को जगमगा देने वाले जाज्वल्यमान हीरों,की पोटली है, लौहपिण्डवत् पशुवत जीवन को कंचन खण्डवत् देवतुल्य जीवन में बदलने में समर्थ पारसमणियों की महान सौगात है जो प्रत्येक उस व्यक्ति, शिष्य और साधक के लिए आवश्यक है, जो जीवन में सफलता और दिव्यता प्राप्ति की आंकाक्षी है। आगामी पंक्तियों में उन महत्वपूर्ण तिथियों, पर्वो, रात्रियों व दिवसों का विवरण प्रस्तुत है, जिनका प्रयोग करने से साधना में स्वतः सिद्धि प्राप्त होती हैं।

चैत्र कृष्ण-1 – रति काम महोत्सव,वसंत सिद्ध
चैत्र कृष्ण-2 प्राता,पूर्णायु सिद्धि दिवस
चैत्र कृष्ण-5 – रंगपंचमी,अपूर्ण इच्छा सिद्धि साधना दिवस
चैत्र कृष्ण-8– मनोकामना पूर्ण सिद्धि दिवस
चैत्र कृष्ण-10 - दस महाविद्या सिद्धि दिवस, महाकाली, गुरुशक्ति
चैत्र कृष्ण-11 - पापमोचनी एकादशी,पूर्वकृत सर्वपापदोष शमन सा.
चैत्र शुक्ल-1 - चैत्र नवरात्रि प्रारम्भ,घट स्थापन,मत्स्यावतार...ब्रह्म सा. प्रचंड चण्डिका..., नवार्ण/दुर्गा सप्तशती,मंत्र सा. प्रा.दि.जगदम्बा...,नवदुर्गा....शैलपुत्री... महासती..., महालक्ष्मी. महासरस्वती, गुरुशक्ति
चैत्र शुक्ल-2 - ब्रह्मचारिणी दुर्गा साधना दिवस
चैत्र शुक्ल-3 - गुरुपर्व, गौरी तृतीया,गौरी/हरगौरी,मनोरथ पूर्ति साधना चन्द्रघंटा दुर्गा साधना
चैत्र शुक्ल-4 - कूष्माण्डा दुर्गा साधना
चैत्र शुक्ल-5 - स्कन्द माता दुर्गा साधना, लक्ष्मी नारायण.. श्री
चैत्र शुक्ल-6 - स्कन्द षष्ठी, कार्तिकेय.... कात्यायनी दुर्गा साधना,
चैत्र शुक्ल-7 - कालरात्रि दुर्गा साधना
चैत्र शुक्ल-8 - दुर्गा महाष्टमी, दुर्गा, महागौरी,अन्नपूर्णा.....
चैत्र शुक्ल-9 - रामनवमी, श्रीराम. रामरक्षा स्तोत्र,रामचरित मानस म. मानस मंत्र, तारा मंत्र, वैचारी मंत्र, सिद्धि दात्री दुर्गा, क्रोध रात्रि नवरात्रि समापन दिवस, गुरुशक्ति
चैत्र शुक्ल-11 - कामदा एकादशी, मनोकामना पूर्ति....वासुदेव
चैत्र शुक्ल-12 - मदन द्वादशी,अनंग सिद्धि दिवस
चैत्र शुक्ल-15 - हनुमान सिद्धि महादिवस

वैशाख शुक्ल-3 - अक्षय तृतीया,युगारम्भ तिथि सतयुग,अक्षयपात्र सा.. गुरुपूर्व,परशुराम अवतार,गौरी सा..,नर नारायण अवतार हयग्रीव अवतार, मातंगी, तारा, बगलामुखी, भूत-सिद्धि स.व.साधना,पुत्रदा प्रयोग,अक्षय लक्ष्मी सिद्धि,अप्सरा यक्षिणी, किन्नरी, गां.तां सर्व साधना सिद्धि दिवस
वैशाख शुक्ल-4 - बगलामुखी म.,ब्रह्मास्त्र विद्या साधना,गुरुशक्ति
वैशाख शुक्ल-5 - शंकराचार्य जयंती, शंकराचार्य पूजन अर्चन दिवस श्री
वैशाख शुक्ल-7 - सूर्य सप्तमी, सूर्य साधना दिवस
वैशाख शुक्ल-8 – बगलामुखी सिद्धि दिवस
वैशाख शुक्ल-9 - अदृश्य सिद्धि दिवस,चण्डिका साधना दिवस
वैशाख शुक्ल-11 –मोहिनी एकादशी,मोहिनी वशीकरण,स्वर्णकर्षण गुटिका कार्य सिद्धि दिवस, लक्ष्मी नारायण दिवस
वैशाख शुक्ल-12 – अप्सरा सिद्धि दिवस,मधुसूदन साधना दिवस
वैशाख शुक्ल-14 –नृसिंह सिद्धि महादिवस,सिद्ध लक्ष्मी सिद्धविद्या सिद्धि मातंगी सिद्धि,छिन्नमस्ता सिद्धि,कूर्म जयन्ती, कच्छप अवतार.., गुरु शक्ति।
वैशाख शुक्ल-15 –अश्वत्थ/बुद्ध पूर्णिमा,पूर्णत्व प्राप्ति साधना, दक्षिणावर्ती शंख स्थापना एवं साधना,चण्डिका सिद्धि महाविद्या अकाल मृत्यु नाशक धर्मराज...

वैशाख कृष्ण-3 - निखिल अवतरण महादिवस,निखिलेश्वरानन्द सिद्धि महादिवस, निखिल जन्मोत्सव।
वैशाख कृष्ण-5 - वसुन्धरा जयंती, भूगर्भ सिद्धि,वसुन्धरा साधना
वैशाख कृष्ण-9 - चण्डिका साधना दिवस
वैशाख कृष्ण-11 - वरुथिनी एकादशी,मधुसूदन विष्णु साधना
वैशाख कृष्ण-13 - कुब्जिका, सिद्धविद्या सिद्धि महादिवस
वैशाख कृष्ण-30 - देवपितृ कार्य अमावस्या

ज्येष्ठ कृष्ण-1 नारद जयंती,नारद विद्वेषण साधना दिवस।
ज्येष्ठ कृष्ण-8 कालाष्टमी, सर्व सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ कृष्ण-11 अचला/अपरा ए,तां.अपरा शक्ति महासाधना, अप्सरा नामिवर्शन अप्सरा, त्रिविक्रम,विष्णु।
ज्येष्ठ कृष्ण-12 मधुसुदन द्वादशी, सर्व सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ कृष्ण-30 शनि जयंती, शनि सिद्धि महादिवस, ग्रह दोष, पितृ दोष, रोग दोष नाशक तांत्रोक्त बगलामुखी प्रयोग।
ज्येष्ठ शुक्ल-1 - सूर्य साधना सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ शुक्ल-3 - रंभा तृतीया, रंभा अप्सरा सिद्धि महादिवस, राहु सिद्धि दिवस, राहु दोष निवारण सूर्य साधना।
ज्येष्ठ शुक्ल-5 - बटुक भैरव सिद्धि दिवस श्री।
ज्येष्ठ शुक्ल-6 - विन्ध्यवासिनी सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ शुक्ल-7 - काल सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ शुक्ल-8 - धूमावती सिद्धि महादिवस दुर्गा.... गुरु शक्ति...।
ज्येष्ठ शुक्ल-9 - महेश नवमी, शिव सिद्धि दिवस।
ज्येष्ठ शुक्ल-10 - गुरुपर्व, बटुक भैरव, तारा सिद्धि महारात्रि, रामेश्वर महादेव गंगा भूतल अवतरण।
ज्येष्ठ शुक्ल-11 - निर्जला एकादशी, गायत्री...,शेषशायी विष्णु...,षोडशी।
ज्येष्ठ शुक्ल-15 - छिन्नमस्ता सिद्धि दिवस।

आषाढ़ कृष्ण-2 - सन्यास जयन्ती,संन्यास संस्कार प्राप्ति सा.महादिवस।
आषाढ़ कृष्ण-3 - पापमोचनी तृतीया, पापमोचनी साधना दीक्षा दिवस।
आषाढ़ कृष्ण-9 - सिद्धाश्रम जयंती, सिद्धाश्रम सिद्धि महादिवस।
आषाढ़ कृष्ण-11 - योगिनी एकादशी, योगनी अप्सरा, नारायण विष्णु, कार्य सिद्धि, स्वर्णाकर्षण गुटिका।
आषाढ़ कृष्ण-30 - देव..., निश्चित सिद्धि दिवस, प्रत्यंगिरा..., अष्ट।
आषाढ़ शुक्ल-1 - गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ।
आषाढ़ शुक्ल-2 - विष्णु सिद्धि दिवस, जगन्नाथ विष्णु साधना दिवस।
आषाढ़ शुक्ल-5 - गुरुपर्व श्री।
आषाढ़ शुक्ल-8 - दुर्गा सिद्धि दिवस, महिषासुर मर्दिनी सिद्धि दिवस।
आषाढ़ शुक्ल-9 - निखिल महाप्रयाण महादिवस,सद्गुरु श्रद्धांजलि महादिवस, पार्वती सिद्धविद्या, महादिवस कामाक्षी, गुप्त नवरात्रि समापन दिवस, केतु म.।
आषाढ़ शुक्ल-11- देवशानी/पद्मानाभ/हरिशयानी एकादशी।
आषाढ़ शुक्ल-14- विष्णु साधना दिवस ।
आषाढ़ शुक्ल-15- गुरु पूर्णिमा, गुरु सिद्धि महादिवस, व्यास/देव सिद्धाश्रम पूर्णिमा, सिद्धाश्रम सिद्धि महादिवस, सिद्धाश्रम सिद्ध आत्मा आह्वान सिद्धि..., स्वामी सच्चिदानन्द पूजन अर्चन, साधना महादिवस, गुरु शक्ति, ऐश्वर्य प्रदालक्ष्मी।

श्रावण कृष्ण-3 - वज्रेश्वरी सिद्धि दिवस।
श्रावण कृष्ण-5 - गुरुपर्व, नागपंचमी, महालक्ष्मी सिद्धि दिवस।
श्रावण कृष्ण-11 - कामदा/पवित्रा एकादशी, श्रीधर विष्णु, मनोकामना..।
श्रावण शुक्ल-13 - भाग्योदय साधना दिवस।
श्रावण शुक्ल-3 - मधुश्रवा गंधर्व कन्या महादिवस, सुवर्णा गौरी....।
श्रावण शुक्ल-5 - नागपंचमी, नागसिद्धि महादिवस, अष्टनागिनी तंत्र सिद्धि दिवस, मणिधारी सर्प सिद्धि दिवस।
श्रावण शुक्ल-6 - शून्य साधना, कुण्डलिनी साधना, कल्कि म.।
श्रावण शुक्ल-11 -पुत्रदा एकादशी, पुत्र प्राप्ति दिवस, भाग्योदय दिवस।
श्रावण शुक्ल-15 - रक्षाबंधन, रक्षा सिद्धि दिवस, रक्षेश्वर..., गायत्री सिद्ध विद्या सिद्धि महादिवस, निखिलेश्वरानन्द कवच, सर्व शत्रु, रोग दुर्घटना योग, तंत्र प्रयोग समाप्ति। सुदर्शन चक्र, तंत्र सिद्धि महादिवस।

भाद्रपद कृष्ण-5 - नाग सिद्धि दिवस, हनुमान सिद्ध दिवस।
भाद्रपद कृष्ण-8 - जन्माष्टमी, श्रीकृष्ण म., महाकाली म. मोहरात्रि, कलाष्टमी, विन्ध्यवासिनी सिद्ध विद्या म. तीक्ष्ण स.व., पुत्रदाता संतान गोपाल मंत्र, गुरु शक्ति।
भाद्रपद कृष्ण-9 - नाग पूजा नवमी, नाग साधना सिद्धि दिवस।
भाद्रपद कृष्ण-11 -अजा एकादशी, कमला..., उपेन्द्र विष्णु...।
भाद्रपद कृष्ण-13 - युगारम्भ तिथि द्वापर।
भाद्रपद कृष्ण-14 - अघोर चतुर्दशी, अघोर साधना, श्मशान साधना।
भाद्रपद कृष्ण-30 - देव, भुवनेश्वरी खड्ग माला साधना, अष्टवसुगण।
भाद्रपद शुक्ल-2 - वराह अवतार, विश्वकर्मा.... कुल देवता/कुलदेवी।
भाद्रपद शुक्ल-3 - ह..., सौभाग्य सिद्धि..., हरगौरी..., अन्नपूर्णा।
भाद्रपद शुक्ल-4 - गणेश चतुर्थी, गणेश सिद्धि महादिवस, लक्ष्मी स्थापना प्रत्यक्ष सिद्धि दिवस, पारद गणपति, पारद शिवलिंग, पारदलक्ष्मी स्थापना दिवस।
भाद्रपद शुक्ल-5 - ऋषि पंचमी, ब्रह्मर्षि जयंती, सप्तऋषि..., ब्रह्मसिद्धि।
भाद्रपद शुक्ल-6 - सूर्य षष्ठी, पराक्रम सिद्धि दिवस।
भाद्रपद शुक्ल-7 - संतान सप्तमी, संतान प्राप्ति, स्वर्णाकर्षण गुटिका।
भाद्रपद शुक्ल-8- राधाष्टमी, राधा महाविद्या महादिवस, महालक्ष्मी, महर्षि दधीचि जयंती, रोगनाशिनी दुर्गा।
भाद्रपद शुक्ल-9- 108 लक्ष्मी सिद्धि जयंती।
भाद्रपद शुक्ल-10 -दशावतार जयंती, दशावतार साधना सिद्धि दिवस।
भाद्रपद शुक्ल-11 -पद्मा/परिवर्तिनी एकादशी, महालक्ष्मी सिद्धि।
भाद्रपद शुक्ल-12 -वामन अवतार म.,भुवनेश्वरी म., गुरुशक्ति।
भाद्रपद शुक्ल-13 -गुरुपर्व, गुरुसिद्धि दिवस।
भाद्रपद शुक्ल-14 -अनंत चतुर्दशी, अनंत साधना दिवस, विष्णु सिद्धि महादिवस,सद्गुरु विष्णु स्वरूप साधना।
भाद्रपद शुक्ल-15 -गुरु चैतन्य सिद्धि दिवस, उमा महेश्वर साधना।

आश्विन कृष्ण-1 - पितृ/श्राद्ध पक्षारम्भ पितरेश्वर मुक्ति एवं दोष निवारण साधना पक्ष प्रा. श्मशान साधना पक्ष प्रा.।
आश्विन कृष्ण-4 - विश्वकर्मा सप्तमणि, किन्नर, पुष्पाकिन्नरी, यक्ष।
आश्विन कृष्ण-8 - सूर्य साधना, प्रेत सिद्धि दिवस, प्रेत मुक्ति दिवस।
आश्विन कृष्ण-11- इन्दिरा एकादशी, शालीग्राम साधना दिवस।
आश्विन कृष्ण-14- विश्वकर्मा ब्रह्मा जयंती, ब्रह्मा साधना दिवस।
~~आश्विन कृष्ण-30 सर्वपितृ श्राद्ध, पितृ विसर्जन, देव अष्टवसुगण।~~
आश्विन शुक्ल-1 - शारदीय नवरात्रि प्रारम्भ,घट स्थापन, दुर्गा संबंधित साधना,नवार्ण/दुर्गा सप्तशती मंत्र सिद्धि सा.प्रा. दि. महाकाली, महालक्ष्मी,महासरस्वती,त्रिशक्ति,गुरुशक्ति
आश्विन शुक्ल-2- दुर्गा सिद्धि दिवस, महाकाली सिद्धि दिवस।
आश्विन शुक्ल-3- दुर्गा सिद्धि दिवस, महाकाली सिद्धि दिवस।
आश्विन शुक्ल-4- विनायक सिद्धि दिवस,महालक्ष्मी सिद्धि दिवस।
आश्विन शुक्ल-5- ललिता पंचमी,उपांग ललिता सिद्धि, महालक्ष्मी।
आश्विन शुक्ल-6- महालक्ष्मी सिद्धि दिवस
आश्विन शुक्ल-7 - महासप्तमी,अन्नपूर्णा, महासरस्वती आह्वान.।
आश्विन शुक्ल-8- महारात्रि, दुर्गामहाष्टमी, दुर्गा म., महासरस्वती।
आश्विन शुक्ल-9- अपराजिता सिद्धि विद्या म.दुर्गा, नवकुमारी पूजन, महासरस्वती, नवरात्रि समापन दिवस।
आश्विन शुक्ल-10-विजयादशमी, विजय सिद्धि दिवस,विजय प्रदाता भैरव, सरस्वती, तांत्रोक्त/अघोर सा., सिद्धि दिवस, बगलामुखी,धूमावती दीपावली, महाकल्प प्रा.।
आश्विन शुक्ल-11-पापांकुशा एकादशी, सर्वपापदोष शमन साधना।
आश्विन शुक्ल-13- गुरुपर्व
आश्विन शुक्ल-14- वाराह अवतार सिद्धि महादिवस
आश्विन शुक्ल-15- शरद पूर्णिमा, धन्वन्तरि सिद्धि रोग मुक्ति दिवस,चन्द्र साधना,चन्द्र शक्ति जागरण साधना।

कार्तिक कृष्ण -4- करक चतुर्थी, करवा चौथ, पूर्ण गृहस्थ सुख प्राप्ति सौभाग्य साधना,मनोवांछित वर/वधू प्राप्ति सौ. सा.
कार्तिक कृष्ण -6- स्कन्द षष्ठी, कार्तिकेय सिद्धि दिवस।
कार्तिक कृष्ण -8- अहोई अष्टमी, संतान भा. आहोई सा. श्रीयंत्र..।
कार्तिक कृष्ण -11- रमा एकादशी, सौन्दर्य सिद्धि दिवस, कृष्ण केशव।
कार्तिक कृष्ण -13- धनत्रयोदशी,धन्वन्तरीम्,आरोग्य सिद्धि म., अकाल मृत्युनिवारण,यम दीपदान, लक्ष्मी म., श्रीयंत्र साधना, पंचदिवस कल्पारंभ तांत्रोक्त कुबेर, आयुर्वेद, पूर्ण गृहस्थ सुख प्राप्ति, गणपति।
कार्तिक कृष्ण -14- रूपचतुर्दशी, सौन्दर्य सिद्धिम, हनुमानम्,नरक चतुर्दशी यम दीपदान संध्या,श्रीयंत्र कल्प द्वितीय दिवस, अप्सरा, श्रीकृष्ण,शाक्त तंत्र..।

कार्तिक कृष्ण -30- दीपावली महालक्ष्मी सिद्धि प्रत्यक्ष दर्शन म., सिंहलग्न) लक्ष्मीपूजन (वृषभ/सिंह लग्न) कमला महाविद्या म.. तंत्र सिद्धि महादिवस, कालरात्रि महाकाली, गुरुशक्ति, अप्सरा, यक्षिणी, सर्वसाधना सिद्धि दिवस, कुबेर, गणेश व्यापार वृद्धि, श्रीयंत्र कल्प तृतीतय दिवस,दक्षिणावर्ती शंख, महालक्ष्मी संबंधित यंत्र/सामग्री स्थापन, ब्रह्माण्ड साधना, कर्ण पिशाचिनी, सरस्वती।

कार्तिक शुक्ल -1- कमला, विश्वकर्मा,श्रीकृष्ण वामन अवतार, प्रसिद्धि प्राप्ति साधना, श्रीयंत्र कल्प चतुर्थ दिवस।

कार्तिक शुक्ल -2- यमद्वितीया, श्रीयंत्रकल्प समाप्ति दिवस, महाकाली, छिन्नमस्ता,धूमावती, बगलामुखी।

कार्तिक शुक्ल -5- श्री महापंचमी, भाग्योदय, ज्ञानपंचमी।

कार्तिक शुक्ल -6- सूर्य सिद्धि दिवस, नेत्र रोग निवारण सूर्य साधना।

कार्तिक शुक्ल -9- अक्षय कूष्माण्ड नवमी, दस महाविद्या दिवस, गुरु पर्व, तंत्र सिद्धि दिवस, मत्स्यावतार, संकल्प सिद्धि दिवस, युगारंभ त्रेता महाकाली, गुरु शक्ति।

कार्तिक शुक्ल -10- त्रिपुरमदनाक्षी अप्सरा सिद्धि कल्प प्रथम दिवस।

कार्तिक शुक्ल -11- देव प्रबोधिनी एकादशी, त्रिपुरमदनाक्षी द्वितीय दिवस।

कार्तिक शुक्ल -12- सिद्धाश्रमस्थ दिव्यात्मा आह्वान सिद्धि दिवस, त्रिपुरमदनाक्षी तृतीय दिवस, संकल्प सिद्धि दिवस।

कार्तिक शुक्ल -13- त्रिपुरमदनाक्षी अप्सरा चतुर्थ दिवस।

कार्तिक शुक्ल -14- छिन्नमस्ता, त्रिपुरमदनाक्षी अप्सरा पंचम दिवस।

कार्तिक शुक्ल -15- देव दीपावली, दीपावली महाकल्प समाप्ति दिवस, मत्स्यावतार, त्रिपुरमदनाक्षी सिद्धि पूर्णत्व दिवस।

मार्गशीर्ष कृष्ण -6- तंत्र सिद्धि दिवस।

मार्गशीर्ष कृष्ण -8- काल भैरव सिद्धि महादिवस, घोररात्रि, महाकाल वीर सिद्धि महारात्रि, कालकीलन महाप्रयोग।

मार्गशीर्ष कृष्ण -10- दत्तात्रेय सिद्धि महादिवस।

मार्गशीर्ष कृष्ण -11- उत्पन्ना/माया मोहिनी एकादशी, श्रीकृष्ण।

मार्गशीर्ष कृष्ण -13- मनोकामना सिद्धि दिवस

मार्गशीर्ष कृष्ण -14- अन्नपूर्णा

मार्गशीर्ष कृष्ण -30- देवपितृ कार्य अमावस्या, अष्टवसुगण साधना।

मार्गशीर्ष शुक्ल -1- विष्णु सिद्धि दिवस।

मार्गशीर्ष शुक्ल -2- गुरुत्व दिवस,गुरु पादुका स्थापन पूजन दिवस।

मार्गशीर्ष शुक्ल -3- गुरुपर्व,साधना सिद्धि दिवस, सिद्धेश्वरी।

मार्गशीर्ष शुक्ल -5- क.नागपंचमी,नागसिद्धि दिवस, श्रीसौभाग्य।

मार्गशीर्ष शुक्ल -6- चंपाषष्ठी,षोडशी सिद्धि, उर्वशी सिद्धि दिवस।

मार्गशीर्ष शुक्ल -7- पद्मावती सिद्धि दिवस।

मार्गशीर्ष शुक्ल -11- मोक्षदा एकादशी,गीता जयंती,गीता मंत्र सिद्धि।

मार्गशीर्ष शुक्ल -12- दान द्वादशी, अखण्ड द्वादशी।

मार्गशीर्ष शुक्ल -13- अनंग, रंगा अ., सिद्धि किन्नरी व. अष्ट किन्नरी।

मार्गशीर्ष शुक्ल -14- भूत-प्रेत पिचाश सिद्धि दिवस, हिडिम्बा साधना।

मार्गशीर्ष शुक्ल -15- त्रिपुरभैरवी सिद्धि महादिवस, गुरुशक्ति, चन्द्र दत्तात्रेय अन्नपूर्णा, बलभद्र..., नारायण....,।

पौष कृष्ण -4- बगलामुखी सिद्धि दिवस।

पौष कृष्ण -5- त्रिपुरभैरवी सिद्धि दिवस, भुवनेश्वरी सिद्धि दिवस।

पौष कृष्ण -8- छिन्नमस्ता सिद्धि दिवस,मेनका सिद्धि दिवस।

पौष कृष्ण -11- सफल एकादशी,गम्यबाधा निवारण,अच्युत विष्णु।

पौष कृष्ण -12- धूमावती सिद्धि दिवस।

पौष कृष्ण -30- देवपितृ कार्य अमावस्या, अष्टवसुगण साधना।

पौष शुक्ल -3- बगलामुखी सिद्धि दिवस।

पौष शुक्ल -7- श्री शक्ति सिद्धि दिवस।

पौष शुक्ल -8- अन्नपूर्णा, शाकम्भरी साधना।

पौष शुक्ल -9- गुरुपूर्व चैतन्य सिद्धि दिवस।

पौष शुक्ल -11- पुत्रदा एकादशी, निश्चित पुत्र प्राप्ति पुत्रदा तं. संतान गोपाल मंत्र.. चक्रधर विष्णु.।

पौष शुक्ल -15- शाकम्भरी पूर्णिमा, शा.देवी सिद्धि मं.,शा. नवरात्रि समापन,सहस्त्ररूपिणी सिद्ध लक्ष्मी महाप्रयोग।

माघ कृष्ण -7- मातंगी सिद्धि दिवस।

माघ कृष्ण -8- श्रीयंत्र सिद्धि महाष्टमी।

माघ कृष्ण -9- कौमारी सिद्धि दिवस।

माघ कृष्ण -11- षट्तिला एकादशी।

माघ कृष्ण -13- षोडशी त्रिपुरसुन्दरी,हिमगिरि सिद्धि जयंती।

माघ कृष्ण -14- श्मशान काली सिद्धि दिवस।

माघ कृष्ण -30- युगारम्भ तिथि कलियुग।

माघ शुक्ल -1- गुप्त नवरात्रि प्रारम्भ।

माघ शुक्ल -4- गुरुपर्व।

माघ शुक्ल -5- बसंत पंचमी, अनंग म.,रतिकाम सौन्दर्य पूर्णत्व सिद्धि दिवस,सरस्वती सिद्ध विद्या म.,वागीश्वरी श्री अप्सरा,ऐं श्री साधना महादिवस

माघ शुक्ल -7- सौर सप्तमी, सूर्य.., पापमोचन दिवस, आरोग्य।

माघ शुक्ल -9- गुप्त नवरात्रि समापन दिवस।

माघ शुक्ल -11- जया एकादशी, केशव साधना दिवस।

माघ शुक्ल -13- विश्वकर्मा सिद्धि दिवस, वि.सामग्रि.., वि.लक्ष्मी।

माघ शुक्ल -15- ललिताम्बा म.,षोडशी महाविद्या म., भैरवी।

फाल्गुन कृष्ण -11- विजया एकादशी, सर्वत्र विजय सिद्धि प्रयोग।

फाल्गुन कृष्ण -13- महाशिवरात्रि, शिव सिद्धि महादिवस, पारद शिवलिंग तांत्रोक्त साधना.,आनंद तांडव साधना।

फाल्गुन कृष्ण -30- शिव खप्पर पूजा, हरगौरी साधना,देव अष्ट।

फाल्गुन शुक्ल -3- वैताल सिद्धि दिवस।

फाल्गुन शुक्ल -5- कायाकल्प सिद्धि दिवस।

फाल्गुन शुक्ल -7- अक्षयपात्र साधना सिद्धि दिवस।

फाल्गुन शुक्ल -8- होलाष्टक प्रारम्भ, अष्टदिवसीय तंत्र सा. कल्पारम्भ।

फाल्गुन शुक्ल -9- गुरुपूर्व।

फाल्गुन शुक्ल -11- आमलकी एकादशी।

फाल्गुन शुक्ल -13- तांत्रोक्त नृसिंह सिद्धि महासाधना प्रारम्भ दिवस।

फाल्गुन शुक्ल -15- होली, क्रूररात्रि,नृसिंह म.,गुरुसिद्धि दिवस,सर्वतंत्र सिद्धि दिवस,सर्व साधना निश्चित सिद्धि दिवस, होलिका य.,रतिप्रिया य. अप्सरा,यक्षिणी किन्नर, वशंकरी, गंधर्वकन्या,योगिनी,भैरवी,कर्ण पिशाचिनी, वास्तु देवता, मनःशक्ति जागरण मनोकामना,व्यापार एवं लक्ष्मी वर्द्धक यंत्र प्रयोग,वीर,टैलीपैथी,विचार सक्रमण, हिलीपैथी, अनंग, बालकृष्ण, तृतीय नेत्र जागरण, सौन्दर्य सिद्धि, तंत्र षट्कर्म (मारण, मोहन, वशीकरण, उच्चाटन, विद्वेषण,शान्तिकर्म),दस महाविद्या साधनायें, भैरव, ति.ला.तंत्र, कुण्डलिनी जागरण षट्चक्र-भेदन, अनाहत-चक्र।

महत्वपूर्ण मासिक कृष्ण (कृ.) व शुक्ल (शु.) तिथियों एवं साधना

कृष्ण- 4- संकटनिवारण गणपति साधना, तांत्रोक्त गणपति साधना, पारद गणपति साधना।

कृष्ण - 5- शैव साधना, भैरव प्रत्यक्ष दर्शन साधना।

कृष्ण - 6- कार्तिकेय, आपद उद्धारक बटुक भैरव।

कृष्ण - 7- सूर्य साधना, अद्वितीय सौन्दर्य तंत्र प्रयोग।

कृष्ण - 8- कालाष्टमी,महाकाली,भद्रकाली व.प्र.कालबन्धन,वीर,काल भैरव,चण्डी, प्रत्यंगिरा, बगलामुखी,अपराजिता, स्वाहा, त्रिपुर भैरवी कवच, रावणकृत शत्रुमारण प्रयोग, शिव, कृष्ण।

कृष्ण - 9- दुर्गा साधना, कौमारी शक्ति साधना।

कृष्ण - 10- काल साधना।

कृष्ण - 11- विश्वदेव, विष्णु, तीव्र भद्रकाली साधना।

कृष्ण - 12- विष्णु साधना।

कृष्ण - 13- मासशिवरात्रि,प्रदोष, शिव पूजन अर्चन साधना, सिद्धि दिवस, पारदेश्वरी लक्ष्मी, नवार्ण मंत्र, कामदेव, महाकाल प्रयोग।

कृष्ण - 14- महाकाली,अपराजिता,शिव,वीर वैताल, अदृश्य विद्या तंत्र,।

कृष्ण - 30- लक्ष्मी, स्वर्णप्रिया लक्ष्मी यंत्र साधना,अघोर पथ,तत्काल लक्ष्मी,मातंगी,महाकाली,षोडशी,धूमावती,उग्रतारा,कृत्या,धनदा यक्षिणी, ज्वालामालिनी तंत्र बाधा निवारण, विन्ध्यवासिनी, कर्ण पिशाचिनी, प्रचण्ड चण्डिका,प्रत्यंगिरा, आत्मा पितृ,शनि साधना(शनिवार) स्वर्णनिर्माण यंत्र, दक्षिणावर्ती शंख,आकाश गमन 'क्ष'साधना,पूर्व जीवन दर्शन तंत्र, काल भैरव उन्मत्त भैरव, विकराल भैरव ,मारण तंत्र, सर्व सम्मोहन महा साधना, गुरु ब्रह्म-स्वरूप,कृष्ण संबंधित दृश्य-अदृश्य स.व. तंत्र, रावणकृत तांत्रोक्त ऐश्वर्य महालक्ष्मी प्रयोग।

शुक्ल - 1- अग्नि साधना,मृगाक्षी अप्सरा साधना।
शुक्ल - 2- श्रीयंत्र,ब्रह्मा, तारा,शत्रुहंती वार्तालो।
शुक्ल - 4- विनायक चतुर्थी,विघ्नहर्ता विनायक गणेश सिद्धि साधना, भुवनेश्वरी साधना।
शुक्ल - 5- श्रीयंत्र, तां.महालक्ष्मी कीलन प्रयोग,सौभाग्यलक्ष्मी, महासरस्वती, सम्मान प्राप्ति राज्यलक्ष्मी,सम्मोहन साधना, वायुगमन ति.ला. सोऽहं साधना,आकस्मिक धन प्राप्ति तिब्बती साधना, कनकप्रभा कनकधारा साधना।
शुक्ल - 6-कार्तिकेय, सूर्य (सप्तमी युक्त)
शुक्ल - 7-सूर्य,श्रीयंत्र,पद्मावती साधना।
शुक्ल - 8-दुर्गाष्टमी, दुर्गा,चण्डी,त्रिपुरसुंदरी,कमला,धूमावती अपराजिता।
शुक्ल - 9-श्रीयंत्र,विष्णु,त्रिपुरसुंदरी,कौमारी,मासिक सद्गुरु श्रद्धांजली दि.
शुक्ल - 10-काल सा. तां.महालक्ष्मी कीलन प्र. आकस्मिक धन प्राप्ति तिब्बती लामा लक्ष्मी,आपादउद्धारक बटुक भैरव,तां.हनुमान।
शुक्ल -11-विष्णु, विश्वदेव, रोगमुक्ति धन्वन्तरी प्रयोग।
शुक्ल -12-विष्णु साधना, श्रीयंत्र साधना।
शुक्ल -13-प्रदोष,शिवपूजन अर्चन, साधना सिद्धि वि., श्रीयंत्र, कुबेर, नर्वाण मंत्र,अनंग
शुक्ल -14-शिव,नृसिंह,अप्सरा, अपराजिता गुरु विष्णु स्वरूप साधना।
शुक्ल -15-श्रीयंत्र,तां.महालक्ष्मी कीलन प्र.,इन्द्राक्षी स्तोत्र, उर्वशी रतिक्रिया तंत्र, रंभा,मृगाक्षी,अप्सरा साधना,पूर्णत्व दिवस, चन्द्र साधना, सौन्दर्य प्राप्ति चन्द्र सिद्धि सा. आज्ञाचक्र जागरण कात्यायनी सा. त्रिपुर सुन्दरी,भुवनेश्वरी, पुत्रप्राप्ति मंगला सा., वायुगमन ति.ला. सोऽहं साधना, आकस्मिक धन प्राप्ति तिब्बती लक्ष्मी साधना, लक्ष्म्योत्तमा धनवर्षा प्रयोग।

वार एवं साधना दिवस/साधना आरंभ दिवस

सोम : शिव, चन्द्र(शु.) पितर, हरगौरी,मातंगी,उ.चा.,पारद लक्ष्मी रत्न माला अ., यौवन गर्विता अ.,श्रेष्ठ पति/पत्नी प्राप्ति सा. पूर्ण गृहस्थ सुख सा.,अकालमृत्यु निवारण, सर्वत्र सर्वोच्च सफलता प्राप्ति सा. स्वप्नेश्वरी, सद्गुरु शिवस्वरूप,मृत संजीवनी विद्या, पुंसवन सा. वेदारम्भ सा.वानप्रस्थ सा. उन्मत्त भैरव,आनन्द ताण्डव,भुवनेश्वरी, षोडशी,कमला,तां.चन्द्रघण्टा।

मंगल: हनुमान,मंगल,भैरव,गौरी छिन्नमस्ता (शुक्ल) वीर, बगलामुखी, उच्चाटन तंत्र (कृष्ण),ज्वालामालिनी,राहु, राज्यलक्ष्मी, कृत्या, भूगर्भ सिद्धि तृतीय नेत्र जागरण त्रिकालदर्शित्व प्रयोग।

बुध : विष्णु, बुध, गणपति, लक्ष्मी नारायण, लक्ष्मी, कन्याकुमारी, कमला (प्रथम शु.बुध),रोग मुक्ति रूद्र, मनोनुकूल गर्भ चयन सा. टैलीपैथी कायाकल्प, राधा महाविद्या,पारद श्रीयंत्र/शंख स्थापना, आयुष्य लक्ष्मी, तारा, कामाख्या।

गुरु : इन्द्र,ब्रह्मा,वृहस्पति,गुरु,परमगुरु,सिद्धाश्रम,श्रीयंत्र,सरस्वती (शु) समावर्तन सा. पूर्वजन्म दर्शन मदालसा सा. सप्तऋषि, धूमावती, मातंगी,षट्चक्र प्रतिष्ठ, यौवनगर्विता अ.,भुवनेश्वरी (शु) चक्र जागरण 'इबोपी साधनायें।

शुक्र : इन्द्र, शुक्र, अनंग रति, दुर्गा,लक्ष्मी,श्रीयंत्र,अप्सरा,यक्षिणी, किन्नरी,गन्धर्व कन्या,योगिनी,धूमावती,षोडशी,भुवनेश्वरी,वीर, विवाह संबंधित सा. साबर साधना, भूत पिशाच।

शनि : ब्रह्मा,यम,शनि,हनुमान,गणेश,पितर,उ.चा. गर्भस्थ शिशु चैतन्य सा.धूमावती,त्रि.महाकाली, वशीकरण/उच्चाटन/मारन तंत्र (कृष्ण) राहु, विन्ध्यवासिनी,महाकाली।

रवि : सूर्य,चाक्षुष्मती,भैरव,महाकाली,शून्य सिद्धि, सीमन्तोन्नयन सं. निष्क्रमण सं. नृसिंह, छिन्नमस्ता,तारा,भैरवी,त्रि.. सरस्वती बा.

विशिष्ट रात्रि पर्व

ऋद्धि सिद्धि योग रात्रि	:	चैत्र तृतीया को रेवती नक्षत्र।
काली/तारा रात्रि	:	चैत्र 8 रविवार व संक्रांति।
क्रोध रात्रि	:	चैत्र शुक्ल 9 (रामनवमी)।
दारुण रात्रि	:	वैशाख शुक्ल 3 को मंगलवार।
शनि रात्रि	:	ज्येष्ठ अमावस्या को शनिवार।
तारा रात्रि	:	ज्येष्ठ10 शुक्ल (गंगादशमी)।
मोह रात्रि	:	भाद्रपक्ष कृष्ण 8 (जन्माष्टमी)।
विष्णु रात्रि	:	भाद्रपक्ष 8 को बुधवार।
महारात्रि	:	आश्विन शुक्ल पक्ष 8 (दुर्गा महाष्टमी)।
कालरात्रि	:	कार्तिक कृष्ण 14 को अर्द्धरात्रि में अमा.।
यक्षिणी रात्रि	:	का.शु.प्रतिपदा को स्वाति न.प्रीतियोग।
घोर रात्रि	:	मार्गशीर्ष 8 कृष्ण (महाकाल वीर ज.)।
पर्वराजरात्रि	:	पौष 3 को शुक्रवार द रेवती नक्षत्र।
धर्मरात्रि	:	पौष/माघ अमा. को सूर्य श्रवण नक्षत्र पर।
गणेश रात्रि	:	माघ चतुर्थी को मकर संक्राति।
कामसंजीवनी रात्रि	:	माघ शुक्ल 5 को शुक्रवार।
अचला रात्रि	:	फाल्गुन कृष्ण 8 को मंगल/शुक्रवार।
शिवरात्रि	:	फाल्गुन कृष्ण 13
क्रूररात्रि	:	फाल्गुन पूर्णिमा (होली)
वाणा रात्रि	:	कृष्ण चतुर्थी को मंगलवार
देवी रात्रि	:	कृष्ण अष्टमी को मंगलवार
महासिद्धिरात्रि	:	कृष्ण नवमी को पुष्य नक्षत्र
महाकाल रात्रि	:	कृष्ण 13 को शनिवार (कृ.शनि प्रदोष)
अदृश्य सिद्धिरात्रि	:	कृष्ण चतुर्दशी को रविवार
मारण रात्रि	:	कृष्ण चतुर्दशी को मंगलवार
शिव सिद्धि रात्रि	:	सोमवती अमावस्या।
कृष्ण रात्रि	:	भौमवती अमावस्या।
शनि रात्रि	:	शनैश्चरी अमावस्या।
मृतसंजीवनी रात्रि	:	शुक्र अमा. को मध्याह्न में सूर्यग्रहण।
दिव्यरात्रि	:	अमा. को मंगल, शुक्र, सूर्य क्रूर नक्षत्रों पर।
सुन्दरी रात्रि	:	पूर्णिमा को मघानक्षत्र
वीर रात्रि	:	चतुर्दशी को रविवार

सूचनायें :-

1. 'दिवस' शब्द से तात्पर्य दिन नहीं है, अपितु उस 'तिथि विशेष' से है, जिसमें दिन अथवा रात्रि के समय में दिव्य प्रवाह विशेष से अनुप्रमाणित, निश्चित सिद्धिप्रद विशिष्ट क्षणों का आगमन होता है।
2. पूर्ण शुद्ध प्रामाणिक जानकारी देने में अत्याधिक सावधानी बरती गई है, फिर भी कोई त्रुटि रह गई हो तो कृपया क्षमापूर्वक सुधारने का कष्ट करें। पंचांग हृदयंगम करने के लिए सूचना क्रमांक 6 का पूर्ण अध्ययन अवश्य करें।
3. 'गागर में सागर' भरने का यथासंभव प्रयत्न किया गया है, फिर भी कोई महत्वपूर्ण प्रविष्ठ छूट गई हो तो कृपया 'निखिल मंत्र विज्ञान' पत्रिका के माध्यम से सूचित करने का कष्ट करें।
4. पंचांग में निर्दिष्ट विभिन्न साधनाओं के विषय में जानकारी एवं उनके समय के बार में सूक्ष्म जानकारी के लिए 'निखिल मंत्र विज्ञान' मासिक पत्रिका के पूर्व प्रकाशित अंकों का अध्ययन करें।
5. उपरोक्त साधनात्मक रात्रियों एवं दिवसों के अतिरिक्त सूर्य ग्रहण व चन्द्रग्रहण साधना सिद्धि के लिए प्रचण्ड मुहूर्त है। इसी प्रकार संक्राति, अन्य संक्रातियां, सर्वार्थ सिद्धि योग, गुरु गुरु पुष्य योग, रविपुष्य योग इत्यादि भी विशिष्ट साधनाओं के लिए त्वरित साफल्यप्रद श्रेष्ठ मुहूर्त हैं। युवा व प्रौढ़ महेन्द्र काल भी साधना/साधना आरम्भ के लिए सिद्धिप्रद समय है। अंग्रेजी कैलेण्डर से 21अप्रेल (निखिल जयंती) निखिल चेतना संस्पर्शित पूर्ण सिद्धिप्रद दिवस है। इसी प्रकार 1 जनवरी (नव वर्ष महोत्सव) संपूर्ण वर्ष सुख-सौभाग्य-सर्वोन्नति, सर्वबाधा मुक्ति भाग्योदय साधनाओं के लिए विशेष दिवस है।
6. शब्द संक्षेप : (अ.)अप्सरा, (अमा.)-अमावस्या, (अष्ट)-अष्टवसुगण,(उ.चा.)-उच्छिष्ट चाण्डालिनी,(ए.)-एकादशी,(क.)-कर्कोटक, (का.)-कार्तिक,(कृ.)- कृष्ण, (गुरुपर्व)-मासिक गुरु म.,(गुरुशक्ति)-गुरु शक्ति स्वरूप दस महाविद्या साधना दिवस, (ज.)-जंयती, (तां.)-तांत्रोक्त, (ति.ला.)-तिब्बती लामा, (य.)-यक्षिणी,(व.)-वशीकरण,(वा.)-वाग्देवी,(वि.)- विश्वकर्मा,(वीर.)-